Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

17

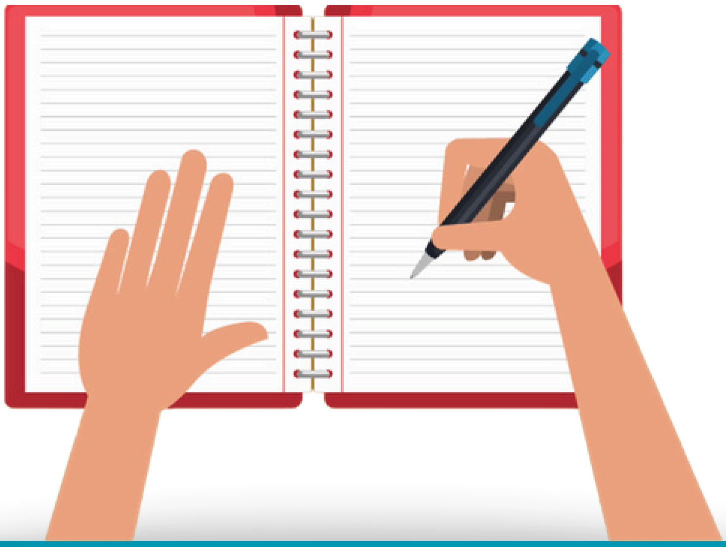

१७/०१/२५

स्मृति मंधाना महिला वनडे में सबसे तेज शतक जड़ने वाली भारतीय बनी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में मात्र 70 गेंदों में शतक जड़कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

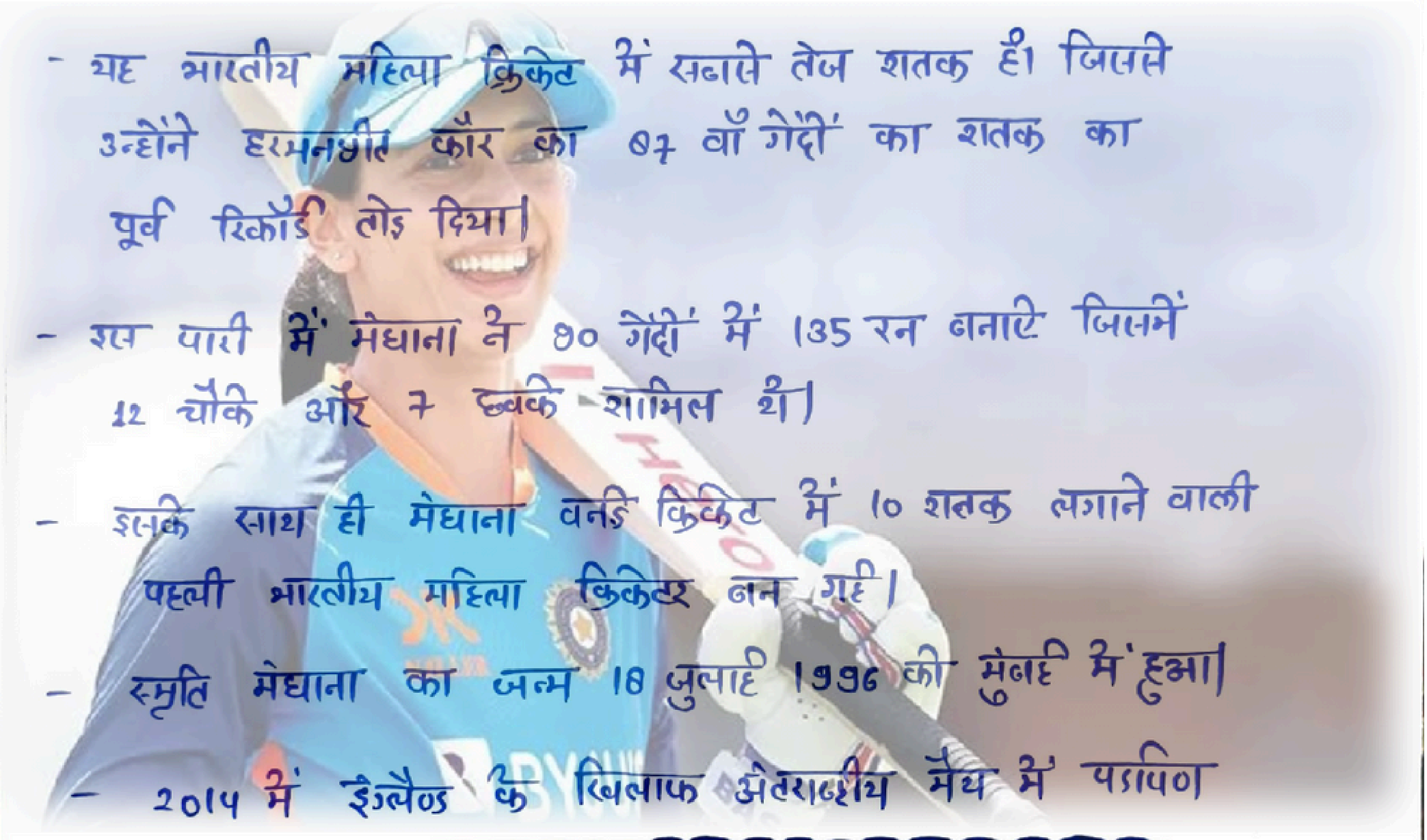

- यह भारतीय महिला क्रिकेट में सबसे तेज शतक है। जिससे उन्होंने हरमनप्रीत कौर का 87 वाँ गेंदों का शतक का पूर्व रिकॉर्ड तोड़ दिया।
- इस पारी में मंधाना ने 80 गेंदों में 135 रन बनाए जिसमें 12 चौके और 7 छक्के शामिल थे।
- इसके साथ ही मंधाना वनडे क्रिकेट में 10 शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई।
- स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ।
- 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मैच में पदार्पण

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के बारे में

- विमन इन ब्लू के नाम से भी जाना जाता है
- टीम का संचालन - BCCI
- पहला टेस्ट मैच - 1976 - वेस्टइंडीज के खिलाफ
- पहला वनडे मैच - 1978 इंग्लैंड के खिलाफ
- पहला T-20 इंग्लैंड के खिलाफ

जसप्रीत बुमराह दिसंबर 2025 में प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित

भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दिसंबर 2024 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीन टेस्ट मैचों में 14.22 की औसत से 22 विकेट हासिल किए।
- इस उपलब्धि के साथ बुमराह दो बार प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले शुभमन गिल ने यह सम्मान दो बार प्राप्त किया था।
- महिला वर्ग में ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है।
- जसप्रीत बुमराह को पूर्व पाकिस्तानी गेंदबाज शोएब अख्तर ने द लीजेंड नाम दिया है।

10 वीं अजंता वेरूल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

10 वाँ अजंता वेरूल (एलोरा) अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 15 से 19 जनवरी 2025 तक छत्रपति संभाजीनगर पूर्व में (औरंगाबाद) में आयोजित हो रहा है इस महोत्सव का उद्घाटन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू द्वारा किया गया।

इस वर्ष भारतीय सिनेमा में असाधारण योगदान के लिए प्रसिद्ध लेखिका, पटकथा लेखक निर्माता और निर्देशक सई परांजपे को पद्मपाणि लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

अजंता और एलोरा

अजंता और एलोरा की गुफाओं का इतिहास इन गुफाओं में बने कलाकृतियों और मूर्तियों से जुड़ा है ये गुफाएं महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है।

- अजंता की गुफाओं का निर्माण दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से पाँचवी शताब्दी ईसवी के बीच हुआ था।
- ये गुफाएं सातवाहन और वाकाटक वंश ने बनवाई थी।
- अजंता की गुफाओं में बौद्ध धर्म से जुड़े चित्र और शिल्पकारी के बेहतरीन उदाहरण मिलते हैं।

इन गुफाओं में बने चित्र जातक कथाओं और बुद्ध के जीवन से 1A01/P4
जुड़े हुए हैं

- अजंता की गुफाओं को साल 1983 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।

- एलोरा की गुफाओं का निर्माण चालुक्य, राष्ट्रकूट और यादव वंश ने करवाया था।

- एलोरा की गुफाओं में भगवान विष्णु के नरसिंह रूप का चित्र भी है।

- औरंगाबाद को दरवाजों का शहर कहा जाता है

- बीबी का मकबरा यहीं पर स्थित है

- औरंगाबाद को गरीबों का ताजमहल भी कहा जाता है

- औरंगाबाद को छत्रपति संभाजीनगर के नाम से भी जाना जाता है

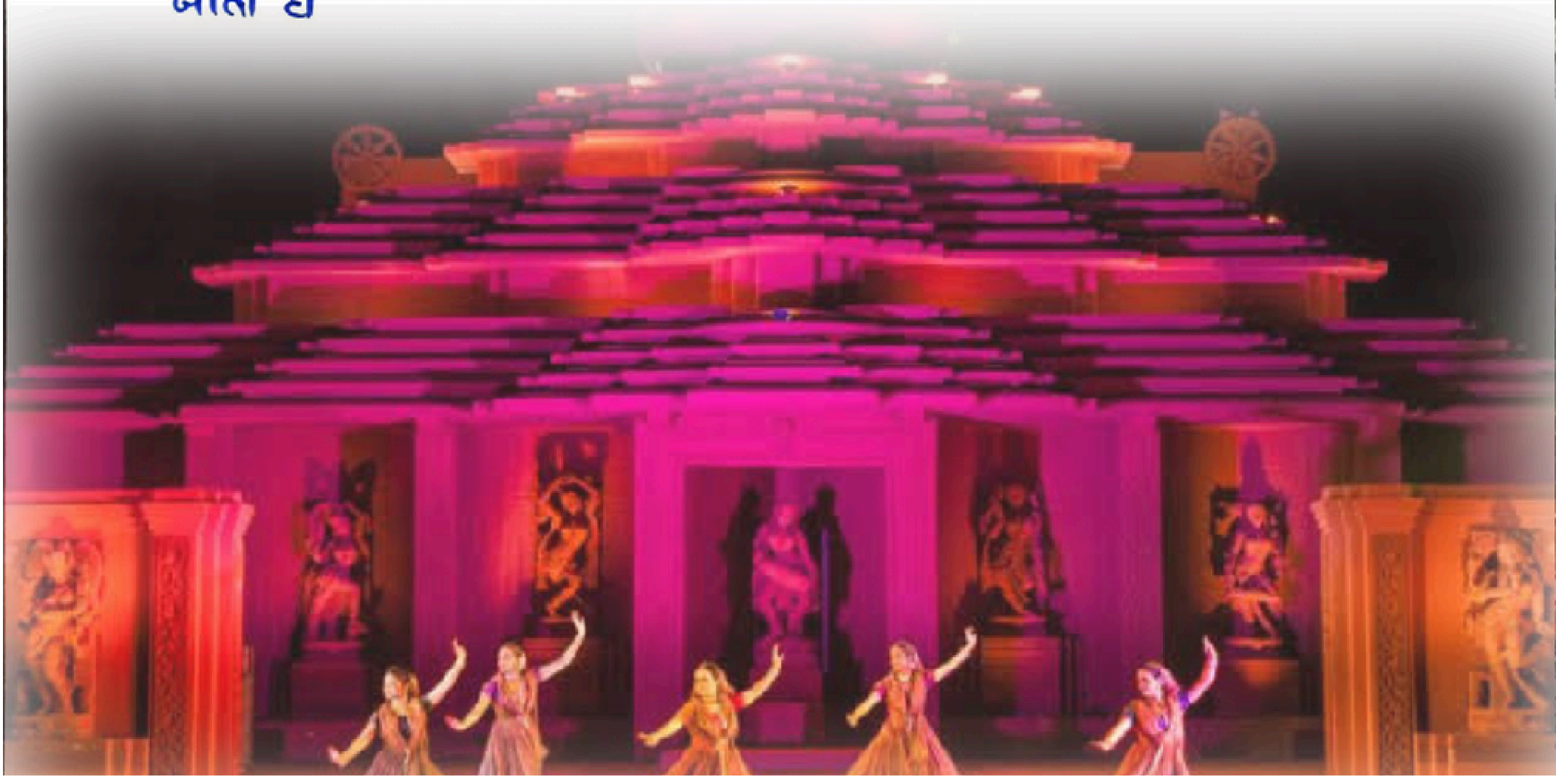

सिंगापुर के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

17/01/PS

सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम 14 से 18 जनवरी 2025 तक भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर है यह उनकी सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में पहली भारत यात्रा है

- यह यात्रा भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हो रही है
- थर्मन शनमुगरत्नम जिन्हें थर्मन के नाम से भी जाना जाता है
- वे एक राजनीतिज्ञ और अर्थशास्त्री है
- 2023 से सिंगापुर के नौवें राष्ट्रपति के रूप में कार्यरत हैं
- सिंगापुर का पुराना नाम सिंगापुरा है जिसका अर्थ संस्कृत में शेर नगर होता है
- सिंगापुर 15वीं सदी की शुरुआत में थाई मातहत का राज्य है
- सिंगापुर को आधुनिक चमत्कार कहा जाता है

सिंगापुर के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

भारत-सिंगापुर के संबंधों का वैश्विक संदर्भ:

- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र:
    - दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक मुक्त, खुले, और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करते हैं।
- आसियान (ASEAN):
    - सिंगापुर, भारत के लिए ASEAN का एक द्वार है।
    - भारत और सिंगापुर के संबंध "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" के तहत दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की उपस्थिति को मजबूत करते हैं।
- आर्थिक क्षेत्रीय साझेदारी (RCEP):
    - भारत ने RCEP से बाहर रहने का फैसला किया, लेकिन सिंगापुर इस समझौते में शामिल है। इसके बावजूद, दोनों देशों ने आपसी व्यापार बढ़ाने की प्रतिबद्धता दिखाई है

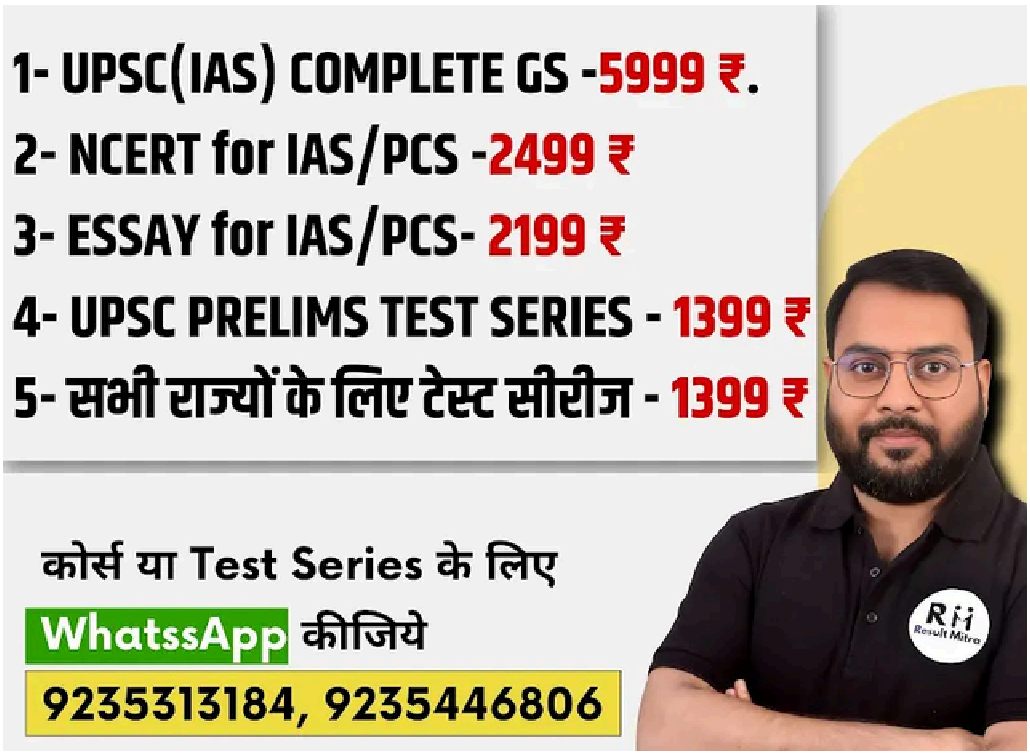

माइक्रोप्लास्टिक का बढ़ता चलन एवं इसके दुष्प्रभाव

माइक्रोप्लास्टिक जो 5 मिलीमीटर से छोटे प्लास्टिक कण होते हैं आजकल पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गये हैं

- ये कण बड़े प्लास्टिक के टूटने या सौंदर्य प्रसाधनों में प्रयुक्त माइक्रोबीड्स के माध्यम से उत्पन्न होते हैं

माइक्रोप्लास्टिक के स्रोत

- समुद्री भोजन
- प्लास्टिक की बोतल

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

- रक्त संचार
- मस्तिष्क
- प्रजननतंत्र
- प्रतिरक्षा प्रणाली

@resultmitra
www.resultmitra.com

माइक्रोप्लास्टिक क्या है?

- परिभाषा: माइक्रोप्लास्टिक वे छोटे प्लास्टिक कण हैं, जिनका आकार 5 मिलीमीटर (mm)से कम होता है।
- इन्हें मुख्यत: दो श्रेणियों में बाँटा गया है:
  a. प्राथमिक माइक्रोप्लास्टिक (Primary Microplastics):
     - वे प्लास्टिक कण जो मूल रूप से छोटे आकार में बनाए जाते हैं।
     - उदाहरण: माइक्रोबीड्स (सौंदर्य उत्पादों में), सिंथेटिक फाइबर (कपड़ों से)।
  b. द्वितीयक माइक्रोप्लास्टिक (Secondary Microplastics):
     - बड़े प्लास्टिक उत्पादों के टूटने या विखंडन से बने कण।
     - उदाहरण: पानी की बोतलें, पैकेजिंग सामग्री, फिशिंग नेट्स।

भारत में माइक्रोप्लास्टिक से संबंधित प्रमुख पहलें

1. राष्ट्रीय प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नीति, 2022:
   - सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध।
   - पुनर्चक्रण को प्रोत्साहन।
2. गंगा स्वच्छता अभियान (Namami Gange):
   - गंगा नदी से प्लास्टिक कचरे को हटाने का प्रयास।
3. प्लास्टिक प्रदूषण पर शोध:
   - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी (NIO): समुद्री माइक्रोप्लास्टिक पर शोध।
   - सीएसआईआर (CSIR): प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए नवाचार।

वैश्विक पहल

1. G20 ओसाका ट्रैक:
   - प्लास्टिक कचरे को खत्म करने के लिए वैश्विक समझौता।
2. ब्रेक फ्री फ्रॉम प्लास्टिक मूवमेंट:
   - प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय अभियान।
3. सतत विकास लक्ष्य (SDGs):
   - SDG 12: सतत खपत और उत्पादन।
   - SDG 14: महासागरों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण।

17/01/25

अभ्यास डेविल स्ट्राइक

भारतीय सशस्त्र बलों ने 16 से 19 जनवरी 2025 तक अभ्यास डेविल स्ट्राइक का आयोजन किया। जिसमें भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना के शीर्ष हवाई सैनिकों ने भाग लिया।

भारतीय सशस्त्र बल

भारतीय सशस्त्र बल (Indian Armed force) भारत के रक्षा बल हैं जो देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए उत्तरदायी हैं।

@resultmitra www.resultmitra.com

अभ्यास डेविल स्ट्राइक

स्थान: भारत के उत्तरी सीमाएं

उद्देश्य:

- भारतीय सशस्त्र बलों की संचालन क्षमता में वृद्धि करना, विशेष रूप से ऊँचाई वाले कठिन इलाकों में।
- सेना, वायु सेना और विशेष बलों के बीच संयुक्त समन्वय अभ्यास को बढ़ावा देना।
- जटिल युद्ध परिस्थितियों के लिए बेहतर युद्ध तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया रणनीतियों को मजबूत बनाना।

महत्व

पहले भी संयुक्त बलों के सहयोग, आतंकवाद विरोधी अभियानों और समग्र रक्षा रणनीतियों पर आधारित अभ्यास किए गए हैं, जैसे "एक्सरसाइज शक्ति" और "एक्सरसाइज वज्र प्रहार"।

"डेविल स्ट्राइक" इनसे अलग है, क्योंकि यह युद्ध के उन्नत पहलुओं और युद्धक्षेत्र रणनीतियों में तकनीकी एकीकरण पर केंद्रित है, जिसमें वास्तविक समय में सिमुलेशन का समावेश किया गया है।